



27

माननीय न्यायालय श्रीमान राजस्व मण्डल खण्डपीठ भोपाल म.प्र.

PBR/निगरानी/भोपाल/भूरा/2017/388 प्रकरण कं.....

गजराज सिंह आ० मन्लूलाल राजपूत

आयु वयस्क, जाति-राजपूत

निवासी-ग्राम व कृषक सेमरी खुर्द

तहसील बैरसिया जिला भोपाल

अपीलार्थी

विरुद्ध

चंदन सिंह आत्मज श्री भोलाराम मालवीय

आयु वयस्क, जाति-धोबी, निवासी-ग्राम व

कृषक सेमरी खुर्द तहसील बैरसिया

जिला भोपाल म.प्र.

प्रतिअपीलार्थी

आपेक्ष
अभिभाषक श्री विनोद
किशोरम द्वारा
दिनांक-27/9/17

श्री भोपाल कं
में प्रस्तुत किया गया

khushal
27/9/17

पुनरीक्षण

अपील अंतर्गत धारा 50 म०प्र०भू०रा०सं० 1959

अपीलार्थी की ओर से निम्न निवेदन है:-

1. यह कि अपीलार्थी एवं प्रतिअपीलार्थी की कृषिभूमि ग्राम सेमरी खुर्द में स्थित है तथा दोनों ही आपस में मेडिया कृषक होकर कृषिकार्य करते हैं।
2. यह कि प्रतिअपीलार्थी द्वारा एक प्रकरण माननीय राजस्व निरीक्षक बैरसिया के समक्ष सीमांकन हेतु प्रस्तुत किया था तथा अपनी स्वयं की भूमि खसरा कं 287/50/1 रकबा 1.190 हेक्टेयर भूमि का सीमांकन कराना चाहा था उक्त आवेदन पर राजस्व प्रकरण कं 74/अ-12/2016-17 अंकित किया गया था तत्पश्चात बिना कोई सूचना दिये तथा अपीलार्थी की अनुपस्थिति में सीमांकन आदेश दिनांक 12.06.17 को पारित कर यह निर्धारित किया गया कि उपरोक्त भूमि जिसका सीमांकन प्रतिअपीलार्थी द्वारा चाहा गया था, पर दिनांक 12.06.17 को प्रतिअपीलार्थी की भूमि पर अपीलार्थी कृषक गजराज सिंह आत्मज मन्लूलाल का 0.129 हेक्टेयर पर अनाधिकृत कब्जा पाया गया है।

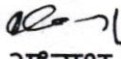
Abhiswan

Signature

न्यायालय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक PBR/निगरानी/भोपाल/भू.रा./2017/3825

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
3-4-2018	<p>आवेदक के विद्वान अभिभाषक द्वारा ग्राह्यता पर प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया गया। आवेदक द्वारा यह निगरानी राजस्व निरीक्षक के आदेश दिनांक 12-6-17 के विरुद्ध इस न्यायालय में दिनांक 27-9-2017 को विलम्ब से प्रस्तुत की गई है। आवेदक द्वारा विलम्ब क्षमा किये जाने हेतु अवधि विधान की धारा 5 का आवेदन पत्र एवं शपथ पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया है, जबकि विलम्ब की माफी के लिए अवधि विधान की धारा 5 का आवेदन पत्र एवं शपथ पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक है। इस सम्बन्ध में 1996 आर.एन. 257 जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. छतरपुर तथा एक अन्य विरुद्ध काशी प्रसाद गुप्ता में निम्नलिखित न्यायिक सिद्धान्त प्रतिपादित किया गया है:-</p> <p>"धारा 5-विलम्ब की माफी के लिए आवेदन पत्र तथा शपथपत्र फाईल नहीं किया गया-5 दिन का विलंब माफ नहीं किया जा सकता।"</p> <p>राजस्व निरीक्षक के प्रकरण को देखने से स्पष्ट है कि राजस्व निरीक्षक द्वारा आवेदक सहित हितबद्ध व्यक्तियों को सीमांकन की सूचना दी गई है। आवेदक सीमांकन के समय उपस्थित था, किन्तु उसके द्वारा पंचनामा पर हस्ताक्षर करने से इंकार किया गया है, इस तथ्य की पुष्टि राजस्व निरीक्षक के प्रकरण में संलग्न पंचनामा एवं सीमांकन प्रतिवेदन से होती है। अतः यह निगरानी प्रथम दृष्टया समय बाह्य होने से अग्राह्य की जाती है।</p>	<p> अध्यक्ष</p>